





















## टिप्पणी पर राजनीति

नेता प्रतिष्ठक राहुल गांधी यह आरोप बराबर लगाते रहते हैं कि चीन ने बड़े पैमान पर हमारी भूमि पर कब्जा किया हुआ है। वह यह भी कहते हैं कि चीन ने हमारी दो हजार वर्गकिमी की जमीन चुरा ली है। उनकी इन विवादित बातों का मामला सुनीम कोर्ट की दहलीज पर भी पढ़ूँच गया है। सूमिवार को इस तरह की विचाका पर सुनवाई करते कोई सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने उनको इस बात को लेकर आई द्वारा लिया कि अपकी बातें जिम्मेदाराना हैं। न्यायमूर्ति दोपांकर दत्ता ने तो खुलकर राहुल गांधी की ओर जिम्मेदाराना व्यवहार भी लगाई और कहा कि विषयक का एक जिम्मेदार नेता होने के नाते राहुल गांधी को ऐसा नहीं कहना चाहिए था। उनका कहना था कि आप को कैसे पता चला कि दो हजार वर्गकिमी जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया। क्या आप वहां थे, क्या आपके पास कोई विवरसनीय जानकारी है।

पीठ ने उनसे यह भी पूछा कि बिना किसी सबूत के आप ऐसा बयान करों दे रहे हैं और बड़ी बात जो कहाँ वह यह है कि अगर आप सच्चे भारतीय हैं तो आप ऐसी बातें नहीं कहिए। इस पर हालांकि की ओर यह वरिष्ठ अधिवक्ता अभियंक सिंघवी ने कहा कि आप विषयक के नेता मुद्रै नहीं उठा सकते, तो यह दूसरी गांधी स्थिति होगी। वहां सत्ता पक्ष गद्दर दिखाई दे रहा है और सुप्रीम कोर्ट की इस फटकार को जो उसने राहुल गांधी को दी है बेहद खुश नजर आ रहा है। संसद की कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा भी कि सर्वोच्च अदालत की ओर से लोकसभा में विषयक के नेता राहुल के बारे में जिप्पणी की गई वह सबके लिए सबक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राष्ट्रीय जनराजीक गढ़बंधन की बैठक में सदस्यों से कहा कि गलत बात बोलने पर न्यायालय भी नुच्छ नहीं बैठेगा। पीठ का भी यह कहना था कि सबके लिए यह एक सबक है कि आप एक जिम्मेदार नागरिक हैं और कुछ भी अनाप-शानप्रबालक बच नहीं सकते।

वहीं मंगलवार को विषयकी दलों की बैठक में भी यह मुद्रा उठा। राहुल गांधी ने खुद इसकी जानकारी दी। इस बैठक में जहां यह सहमति बनी कि सभी जनता के मुद्रों को मिलकर उठाएं, वहां एक न्यायाधीश की टिप्पणी जो राहुल गांधी पर की गई, चर्चा हुई। कांग्रेस नेताओं का गलत बात पर बहुमत है कि वर्तमान के मुद्रों के नेता इस पर सहमत हैं कि वर्तमान न्यायाधीश ने एक ऐसी टिप्पणी की है जो राजनीतिक दलों के लोकतांत्रिक अधिकारों के खिलाफ है। कांग्रेस मनती है कि राष्ट्रीय हित के मुद्रों पर टिप्पणी करना राजनीतिक दलों विशेषकर विषयक के नेताओं की जिम्मेदारी है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने भी टिप्पणी पर नाराजगी यह कहकर जताई कि वह माननीय जर्जों का पूरा सम्मान करती हैं, लेकिन साथ ही वह कहना चाहती है कि वह यह तय नहीं करेगे कि सच्चा भारतीय कौन है, सरकार से सवाल पूछना विषयक के नेता का कर्तव्य है, मेरा भाई राहुल गांधी की भी भारतीय सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, उनके प्रति सम्मान रखता है, भाई की जान है, सरकार से सवाल पूछना विषयक के नेता का कर्तव्य है। इसमें कई दोस्रे राहुल गांधी की बैठक में सच्चे भारतीय और राष्ट्रवादी नेता हैं।

### जज तय नहीं करेंगे, कौन सच्चा भारतीय

सुप्रीम कोर्ट के माननीय जर्जों का पूरा सम्मान रखते हुए मैं ये कहना चाहती हूँ कि वह तय नहीं करेंगे कि सच्चा भारतीय कौन है, सरकार से सवाल पूछना विषयक के नेता का कर्तव्य है, मेरा भाई राहुल गांधी की भी भारतीय सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, उनके प्रति सम्मान रखता है, भाई की जान है, सरकार के गलत मतलब निकाला गया, राहुल गांधी के एक सच्चे भारतीय और राष्ट्रवादी नेता हैं।



प्रियंका गांधी  
कांग्रेस महासचिव

सुप्रीम कोर्ट के माननीय जर्जों का पूरा सम्मान रखते हुए मैं ये कहना चाहती हूँ कि वह तय नहीं करेंगे कि सच्चा भारतीय कौन है, सरकार से सवाल पूछना विषयक के नेता का कर्तव्य है, मेरा भाई राहुल गांधी की भी भारतीय सेना के खिलाफ नहीं बोलेगा, उनके प्रति सम्मान रखता है, भाई की जान है, सरकार से सवाल पूछना विषयक के नेता का कर्तव्य है। इसमें कई दोस्रे राहुल गांधी की बैठक में सच्चे भारतीय और राष्ट्रवादी नेता हैं।

कई जर्जों लाता हैं कि इसी साचे के साथ हमने एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हमने

एक जुड़े-से जुड़े कपाल और जान की काशीय की ओर जानते हैं, कौन-से सबक हैं, जिन्हें वाह जाड़े को छोड़ते हैं। वजहें भले ही अलग हों, लेकिन प्रेरणानिया अक्सर

एक जर्जों लाता है कि इसी साचे के साथ हम

